



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 285]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 8, 1970/श्रावण 17, 1892

No. 285]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 8, 1970/SRAVANA 17, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August 1970

S.O. 2674.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ix) of clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the Essential Services Maintenance Act, 1968 (59 of 1968), the Central Government, being of opinion that strikes in any service connected with the supply of electrical energy to the public in the State of West Bengal or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply [not being any such service falling under sub-clause (viii) of clause (a) aforesaid] would result in the infliction of grave hardship on the community, hereby declares every such service to be an essential service for the purposes of the said Act.

[No. EL.II.17(45)/70].

V. V. CHARI, Secy.

सिखाई और बिजुल मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1970

का० प्रा० 2674.—आवश्यक सेवा अन्तरक्षण अधिनियम 1968 (1968 का 59) की धारा 2 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (ix) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार, जिसकी यह राय है कि पश्चिमी बंगाल राज्य में जनता को

विद्युत् शक्ति की आपूर्ति से या ऐसी आपूर्ति के प्रयोजनार्थ विद्युत् शक्ति के उत्पादन, भंडार-करण या संचरण से संबंधित ऐसी किसी सेवा में (जो उक्त अधिनियम के खण्ड (क) के उपखण्ड (viii) के अधीन आने वाली सेवा न हो) हड़तालों के परिणामस्वरूप समुदाय को गम्भीर कठिनाई उत्पन्न हो जाएगी, उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ हर ऐसी सेवा को, एतद्-द्वारा, आवश्यक सेवा घोषित करती है ।

[सं० ई० एल० II. 17(45)/70.]

बी० बी० चारि, सचिव ।

ORDER

New Delhi, the 8th August 1970

S.O. 2675.—Whereas the Central Government is satisfied that in the public interest it is necessary to make the following order:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Essential Services Maintenance Act, 1968 (59 of 1968), the Central Government hereby prohibits strikes in any service in the State of West Bengal connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply, which has been declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Irrigation and Power, S.O. 2674 dated the 8th August, 1970, to be an essential service for the purposes of the said Act or which falls under Sub-clause (viii) of clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the said Act.

[No. EL.II.17(45)/70.]

By order and in the name of the President.

V. V. CHARI, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1970

का० अ० 2675.—यतः केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि जन हित में निम्नलिखित आदेश बनाना आवश्यक है :

अतः अब आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम, 1968 (1968 का 59) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्ष्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा पश्चिमी बंगाल राज्य में ऐसी किसी सेवा में हड़तालों का प्रतिबंध करती है जो जनता को विद्युत् शक्ति की आपूर्ति से या ऐसी आपूर्ति के प्रयोजनार्थ विद्युत् शक्ति के उत्पादन, भंडार-करण से संबंधित है जो भारत सरकार के सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय की अधिसूचना, सं० का० 2674 तारीख 8 अगस्त, 1970 द्वारा उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए आवश्यक सेवा घोषित की जा चुकी है या जो उक्त अधिनियम की धारा 2 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (viii) के अधीन आती है ।

[सं० ई० एल० II. 17(45)/70.]

राष्ट्रपति के नाम में और आदेश से ।

बी० बी० चारि, सचिव ।